

आशीश हिंडोले झूलो (८०)

चिरु जीओ मेरी जनक लली भाग्य लक्ष्मी फले नितु तेरी।
देऊं आशीश भांति भली सुख सिद्धियां हो चरणनि चेरी॥

मंगल मोद विनोद लहो रस रंग में रघुवर साथ रहो
चमके चान्दनी तव जस केरी—भाग्य....

रघुवर प्राणनि थाती प्रिया लखि उमगत मम छाती प्रिया
रहो सहिचरि मण्डल सों घेरी— भाग्य....

रहु मगनु सदां नेह नागर में नितु तैरती रहो रस सागर में
सदां वर्षे चान्दनी तव घर सुख ढेरी— भाग्य....

जौं लों नभ शशि तारा गण जौ लों महि अहि शेष फणिनि
तौ लों तेरो सुहागु बढेरी— भाग्य....

जीवन मूरि मेरी फलो और फूलो सब की आशीश हिंडोले झूलो
नित गुर जन कृपा वर्षेरी— भाग्य....

सिय छबि देख के मैया मोही आनंद आंसुनि आर्यलि भिगोई

भीज स्नेह सिर कर फेरी— भाग्य....

जगदम्बा अम्बा प्रसन्न देखी श्रद्धा शील भई सकुच विशेषी

लागी पूजन प्रीति घनेरी— भाग्य....

फूल वर्षि नीराजन कीन्हो मधुर तम्बोल मुखड़े दीन्हो

चरणनि में चन्दन चरचेरी— भाग्य....

झांकत झरोखे से राम सुजान सुनि आशीशुनि बति हर्षनि

लूटि गई प्रिया ममता मेरी— भाग्य....

प्रीतम बैन सुनि सिय सकुचानी मैया बुलायो तब जानिकि जानी

बार बार 'आयो राम' 'आयो राम' टेरी— भाग्य....

जननी गोद लिए सियारामा मैगसि के भए पूरण कामा

लावत कलेऊ सुमित्रा हेरी— भाग्य...